भारत दूसरे उभरते बाजारों की तुलना में आगे रह सकता है

लोकसभा चुनाव के बाद बाजार में आ सकता है 100 अरब डॉलर का विदेशी निवेश

» विदेशी निवेशकों ने पिछले दो ढाई साल से अपने निवेश को बहुत ज्यादा नहीं बढ़ाया

नई दिल्ली। देश में आम चुनावों के बाद शेयर बाजार में 100 अरब डॉलर का निवेश विदेशी निवेश आ सकता है। जेपी मॉर्गन ने कहा कि अर्थव्यवस्था की आशाजनक विकास संभावनाओं और अमेरिका के फेडरल रिजर्व की दर में कटौती की संभावना के चलते भारतीय बाजार आकर्षक बना हुआ है।

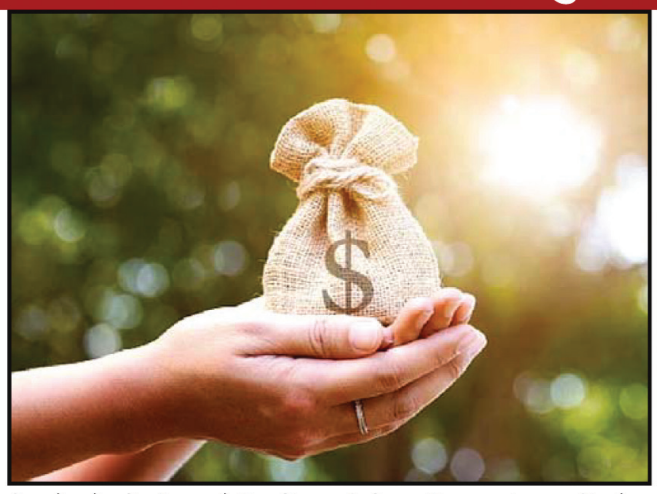

जेपी मॉर्गन के एक अधिकारी ने एक इंटरव्यू में बुधवार को कहा, भारत के 4.3 लाख करोड़ डॉलर वाले शेयर बाजार में वैश्विक फंड की स्थिति हल्की बनी हुई है। निवेशक बाजार के किसी भी सुधार को होल्डिंग बढ़ाने के अवसर के रूप में उपयोग करेंगे। विदेशी निवेशक पिछले दो ढाई साल से अपने निवेश को बहुत ज्यादा नहीं बढ़ाए हैं। वे एक स्पष्ट और मजबूत अवसर के इंतजार में हैं। विदेशी निवेशक विकास आधारित नीतियों या सुधारों के आधार पर बाजार में निवेश बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में इस पर ज्यादा जोर दिया जा सकता है। इसलिए चुनावों के बाद नई सरकार के आने पर विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में अच्छा खासा निवेश कर सकते हैं।

गोल्डमैन का भी निवेश का अनुमान– जेपी मॉर्गन से पहले गोल्डमैन सैश ने भी कहा है कि नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने से इस दशक में भारत तेज विकास करेगा। मोदी सरकार ने बाजार-अनुकूल नीतियों को जारी रखने, बुनियादी ढांचे पर खर्च करने और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देने का वादा किया है।

भारत सबसे आगे रहेगा– कई निवेशकों का तर्क है कि अर्थव्यवस्था की बेहतर विकास संभावनाओं और राजनीतिक स्थिरता को देखते हुए भारत दूसरे उभरते बाजारों की तुलना में आगे रह सकता है। गोल्डमैन के एशिया के इक्विटी रणनीतिकार सुनील कौल ने कहा, वैश्विक फंड भारत में निवेश बढ़ाने के इच्छुक हैं। बेहतर अवसर की तलाश में हैं। हमें उम्मीद है कि साल के उत्तरार्ध में विदेशी प्रवाह बढ़ेगा, क्योंकि चुनाव हो चुका होगा। साथ ही, केंद्रीय बैंक दरों को घटाएंगे। डॉलर भी रुपया की तुलना में कमजोर होगा।

763 अरब डॉलर है विदेशी निवेशकों का हिस्सा– जेपी मॉर्गन के अधिकारी ने कहा, भारतीय बाजार के लिए अपने उच्च मूल्यांकन को बनाए रखने के लिए नीतिगत निरंतरता जरूरी है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के आंकड़ों के मुताबिक फरवरी के अंत तक विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयरों में हिस्सेदारी 763 अरब डॉलर थी।

दूसरी छमाही से निवेश में रहेगा उतार-चढ़ाव– पिछले साल की दूसरी छमाही से विदेशी निवेश में उतार-चढ़ाव है। लगातार तेजी से बाजार का मूल्यांकन ज्यादा हो गया है। एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स 2023 में रिकॉर्ड आठ साल की तेजी को इस साल गंवा सकता है। स्मॉल और मिड-कैप में बुलबुले के कारण बाजार दबाव में हैं।

अमेरिका की 'गेम डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस' में पहली बार भारत का पेवेलियन

देश में तेजी से बढ़ रहा गेमिंग बाजार

वॉशिंगटन। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में गेम डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही है। खास बात ये है कि पहली बार इसमें भारत का भी पेवेलियन है। यह भारत और अमेरिका के बढ़ते संबंधों को दिखाता है। यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम के सहयोग से गेम डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस में भारत के पेवेलियन का उद्घाटन किया गया है। फोरम के अध्यक्ष मुकेश अघी ने बताया कि भारत पेवेलियन का उद्घाटन भारत-अमेरिका के संबंधों में मील का पत्थर है। गेम डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस में भारत के पेवेलियन का बुधवार को उद्घाटन किया गया। साथ ही इस दौरान इंडिया गेमिंग मार्केट रिपोर्ट भी जारी की गई। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का गेमिंग मार्केट साल 2023 में 3.1 अरब डॉलर था, जिसके साल 2028 तक 6 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। कार्यक्रम में सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूत के श्रीकर रेड्डी भी समेत कई अन्य अधिकारी भी शामिल हुए। रेड्डी ने कहा कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में काफी संभावनाएं हैं।

देश में 56 करोड़ ऑनलाइन गेम खेलने वाले लोग– इंडिया गेमिंग मार्केट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अभी ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर में एक लाख लोग काम करते हैं और आने वाले दशक में इस सेक्टर में ढाई लाख नौकरियां पैदा होने का अनुमान है। भारत में साल 2023 में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 88 करोड़ थी, जिसके साल 2028 तक 1.2 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2023 में ऑनलाइन गेम खेलने वाले लोगों की संख्या करीब 56 करोड़ थी, जो 2028 तक बढ़कर 89 करोड़ हो जाएगी। भारत में साल 2015 में सिर्फ 25 गेमिंग कंपनियां थीं, जो साल 2023 में बढ़कर 1400 हो गई हैं। भारत में दुनिया में सबसे ज्यादा मोबाइल गेम एप डाउनलोड किए जाते हैं।

10 सेकंड तक डोलती रही धरती

महाराष्ट्र में भूकंप के जोरदार झटके, सहमे लोग

मुंबई। गुरुवार सुबह-सुबह महाराष्ट्र में भूकंप जोरदार झटके महसूस किए गए। ये झटके करीब 10 सेकंड तक रहे। लोग डर के मारे सहम गए। वहीं इससे पहले अरुणाचल प्रदेश में गुरुवार तड़के एक के बाद एक भूकंप के झटके महसूस किए गए। फिलहाल अभी दोनों ही जगहों से किसी भी जान माल के नुकसान की खबर नहीं है। महाराष्ट्र के नांदेड़ इलाके में गुरुवार सुबह करीब 6 बजकर 8 मिनट पर करीब 10 सेकेंड तक धरती डोलती रही। घरों में पंखे और सामान गिरता देख लोग सहम गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पैमाने पर 4.2 मापी गई। भूकंप का केंद्र बिंदु अखाड़ा बालापुर का इलाका था। नांदेड़ के अलावा परभणी और हिंगौली में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। फिलहाल अभी किसी भी जान माल का नुकसान होने की कोई खबर नहीं है।

वहीं नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने बताया कि महाराष्ट्र से पहले अरुणाचल प्रदेश में भी गुरुवार को रुक-रुक कर भूकंप के झटके लगे। पहला झटका सुबह तड़के 1 बजकर 49 मिनट महसूस किया गया , जिसकी तीव्रता 3.7 थी। इसका केंद्र कामेंग था, जिसकी गहराई करीब 10 किलोमीटर थी। वहीं, दूसरा झटका 3 बजकर 40 मिनट पर आया जिसका केंद्र अरुणाचल प्रदेश का पूर्व कमेंग था और इसकी तीव्रता 3.4 मापी गई। इस भूकंप की गहराई धरती के अंदर 5 किलोमीटर बताई जा रही है। भूकंप की जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। खबर लिखे जाने तक दोनों भूकंप में अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

केंद्र को झटका : फैक्ट चैक पर लगाई रोक

» सभी फर्जी खबरों या गलत सूचनाओं से निपटने के लिए एफसीयू नोडल एजेंसी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के बारे में फर्जी खबरों का पता लगाने के लिए पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के तहत 'फैक्ट चैक (तथ्यों की जांच करने वाली) इकाई बनाने को लेकर जारी केंद्र की अधिसूचना पर गुरुवार को रोक लगा दी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 के तहत 20 मार्च को 'फैक्ट चैक इकाई (एफसीयू) के लिए अधिसूचना जारी की थी। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने बंबई हाईकोर्ट के 11 मार्च के आदेश को रद्द कर दिया, जिससे केंद्र सरकार के बारे में सोशल मीडिया पर फर्जी और गलत सामग्री की पहचान करने के लिए संशोधित आईटी नियमों के तहत एफसीयू की स्थापना पर अंतरिम रोक लगाने से मना कर दिया था। पीठ ने कहा, ''हमारी सुविचारित राय है कि हाईकोर्ट के समक्ष जो प्रश्न हैं वे संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) के मूल प्रश्नों से संबंधित हैं। पीठ में न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल रहे। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, हमारी राय है कि अंतरिम राहत का अनुरोध खारिज होने के बाद 20 मार्च, 2024 को जारी अधिसूचना पर रोक लगाने की जरूरत है।

मोदी सरकार की अधिसूचना के अनुसार एफसीयू केंद्र सरकार से संबंधित सभी फर्जी खबरों या गलत सूचनाओं से निपटने या सचेत करने के लिए नोडल एजेंसी होगी। यह अधिसूचना बंबई उच्च न्यायालय द्वारा केंद्र को इकाई की अधिसूचना जारी करने से रोकने से इनकार करने के कुछ दिन बाद आई है।

मुरादाबाद में तीन दिवसीय दिव्य दरबार का समापन

मुरादाबाद। पंडित धीरेंद्र शास्त्री का मुरादाबाद के सेक्टर 6 में तीन दिन का दिव्य दरबार लगा था। दरबार की समापित्त पर वह मीडिया से मुखातिब हुए और उन्होंने कहा कि मुरादाबाद आकर अच्छा लगा, लेकिन मुरादाबाद का नाम अच्छा नहीं लगा। भारत में बहुत सी जगह के नाम बदले गए। इसी प्रकार मुरादाबाद का नाम माधव नगर कर देना चाहिए। वहीं उन्होंने कहा कि जो लोग सनातन विरोधी हैं उनकी ठठरी बंधनी चाहिए। यूपी के मुरादाबाद में पंडित धीरेंद्र शास्त्री का तीन दिवसीय दिव्य दरबार का बुधवार को समापन हुआ। समापन के बाद शास्त्री मीडिया से मुखातिब हुए शास्त्री सनातन का विरोध करने पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि जो सनातन को डेंगू और मलेरिया कहते हैं उनकी ठठरी बंधनी चाहिए। कर्नाटक में हनुमान चालीसा बजाने वाले को जिन्होंने मारा है, वह सब सनातन विरोधी हैं। वह लोग सनातन के लिए यह जहर है, कैंसर हैं।

आनंद शर्मा ने खड़गे को लिखा, जाति जनगणना सही नहीं

इससे बेरोजगारी, असमानता खत्म नहीं होगी, यह इंदिरा-राजीव के सिद्धांतों का अपमान

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को चिठ्ठी लिखी है। इसमें लिखा कि जाति जनगणना कराने से न तो बेरोजगारी की समस्या हल होगी और न ही समाज में असमानता खत्म होगी। इसे इंदिरा जी और राजीव जी की विरासत का अपमान माना जाएगा। आनंद शर्मा ने 19 मार्च को कांग्रेस अध्यक्ष को लेटर लिखा था, जो 21 मार्च को मीडिया में सामने आया। शर्मा ने ये भी कहा कि इंदिरा गांधी ने 1980 में कहा था कि न जात पर, न पात पर, मुहर लगेगी हाथ पर। इससे कांग्रेस का जातिवाद पर स्टैंड पता चलता है। 1990 में राजीव गांधी ने भी जाति को चुनावी मुद्दा बनाने का विरोध किया था। बीते कुछ महीने से राहुल गांधी लगातार जाति जनगणना कराने की बात कह रहे हैं। राहुल के मुताबिक अगर कांग्रेस सरकार आई तो हम जाति जनगणना कराएंगे

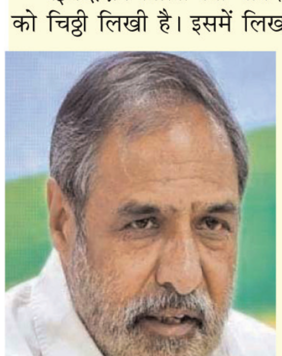

सोशल मीडिया पर नजर रखने पुलिस सक्रिय

» इस बार चुनाव प्रचार के तौर तरीके, पोस्टर-बैनर के साथ-साथ सोशल मीडिया पर शिफ्ट हो चुके हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही आचार संहिता लागू हो चुकी है। इस बार चुनाव प्रचार के तौर तरीके, पोस्टर-बैनर के साथ-साथ सोशल मीडिया पर शिफ्ट हो चुके हैं। इसके बाद आचार संहिता का उल्लंघन न हो, इसके लिए सोशल मीडिया पर पुलिस की कड़ी नजर है। बाकायदा दिल्ली पुलिस की सीपैड को नोडल एजेंसी बनाया गया है। साथ ही लोगों को जागरुक रहने की सलाह दी गई है। दिल्ली पुलिस ने इस बाबत पब्लिक नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। जिसमें लोकसभा चुनाव के दौरान एसएमएस या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए आपत्तिजनक या भ्रामक संदेश/ पोस्ट वायरल होने से रोकने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताया गया है। दिल्ली पुलिस के जॉइंट सीपी भोला शंकर जायसवाल को नोडल ऑफिसर नियुक्त किया गया है। इनकी निगरानी में लोकसभा चुनाव के दौरान एसएमएस या अलग-अलग सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म के जरिए आपत्तिजनक पोस्ट को रोकने और उचित कार्रवाई करने की जिम्मेदारी होगी। इसके अलावा पब्लिक की सहूलियत के लिए एक हेल्पलाइन नंबर और ईमेल एड्रेस भी जारी किया गया है। जहां पर शिकायत की जा सकती है। इस दौरान फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, वॉट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। जिससे बाकी पोस्ट के अलावा चुनाव में उतरे उम्मीदवार, उनके समर्थक या पार्टी से जुड़े पदाधिकारियों की पोस्ट, कमेंट्स और फोटो पर नजर रखी जा सके। पुलिस की तरफ से अपील की गई है जिन लोगों को इसतरह के आपत्तिजनक संदेश या पोस्ट मिलते हैं। वे तुरंत नोडल ऑफिसर बात सकते हैं। वहीं, दूसरी ओर देशभर में चुनावी माहौल को लेकर होम मिनिस्ट्री की I4 सी (इंडियन साइबर क्राइम कंट्रोल एंड को-ऑर्डिनेशन) यूनिट भी इस दिशा में सक्रिय हो चुकी है। अधिकारी ने बताया कि I4 सी चुनाव के लिए फेक वायरल संदेश और डीप फेक को सोशल मीडिया से हटाने के लिए साइबर एक्सपर्ट की एक विशिष्ट टीम बनाई है। इनकी जिम्मेदारी होगी कि जो सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर कोई गलत कंटेंट डालेगा, तब उस सर्विस प्रोवाइडर को सूचित करके हटवा दिया जाएगा।

उलझन में भाजपा : वरुण और मेनका गांधी को कहां से लड़ाएं चुनाव?

सुलतानपुर। मिशन-24 को फतह करने के लिए भाजपा माइक्रो लेवल पर काम कर रही है। हर एक सीट पर उम्मीदवार की जमीनी हकीकत को परखकर ही मैदान में उतारा जा रहा है। खासतौर से उत्तर प्रदेश में सभी 80 सीटें भाजपा के स्कैनर से निकल रहीं है। जब पीलीभीत, सुलतानपुर और रायबरेली को लेकर चिंतन और मंथन किया गया तो पता चला कि इस बार मेनका गांधी और उनके बेटे वरुण गांधी की सीटें बदली जा सकती हैं।

सबसे पहले बात करते हैं रायबरेली सीट की। यहां से पिछली बार कांग्रेस से सोनिया गांधी सांसद चुनी गई थीं। इस बार उन्होंने खुद को किनारे कर लिया और उम्मीद है कि राज्यसभा के जरिए उनकी सदन में इंट्री होगी। सोनिया गांधी की जगह कौन लेगा,इसको लेकर कांग्रेस ने फिलहाल किसी का नाम तय नहीं किया है। ऐसे में भाजपा इस सीट को झटकने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। तमाम उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा होने के बाद भाजपा को सबसे खरे उम्मीदबार वरुण गांधी ही दिखाई दे रहे हैं। वजह ये है कि रायबरेली के सभी मापदंडों पर वरुण गांधी सटीक बैठ रहे हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, पीलीभीत से इनके नाम पर न नुकुर करने वाले नेताओं को यह सुझाव बेहतर विकल्प नजर आ रहा है। वरुण को रायबरेली शिफ्ट कर कांग्रेस के किले को ध्वस्त करने की रणनीति तैयार हो रही है ।पार्टी सूत्रों का कहना है कि यदि कांग्रेस से गांधी परिवार का कोई सदस्य चुनाव मैदान में नहीं उतरा तो वरुण भी रायबरेली के नाम पर हामी भर सकते हैं। कुल मिलाकर मेनका गांधी को पीलीभीत तो वहां से वरुण गांधी रायबरेली भेजे जा सकते। वहीं, सुलतानपुर सीट पर इस बार स्थानीय प्रत्याशी उतारने की तैयारी है। भाजपा में भीतरखाने इस बात की चर्चा तेज हो गई है। इस चर्चा को कई कोण से बल भी मिलता नजर आ रहा है, लेकिन सही तस्वीर 22 मार्च तक सामने आने की उम्मीद है। लगातार दो चुनावों में भाजपा सुलतानपुर सीट पर अपराजेय रही। 2014 के चुनाव में यहां से वरुण गांधी तो 2019 में उनकी मां मेनका गांधी सांसद बनीं। इस बार भाजपा जीत की हैट्रिक लगाने की फिराक में है। कई स्तरों पर हुए सर्वे के बाद यह सीट पार्टी के लिए मजबूत मानी जा रही है। ऐसे में यहां से किसी नए और स्थानीय चेहरे को मौका देने की तैयारी है। इसमें वरियता कुर्मी बिरादरी के दावेदार को मिलने के आसार हैं। हालांकि, अब तक यह महज संभावना है। फैजाबाद मंडल में सबसे कमजोर सीट अंबेडकरनगर मानी जा रही थी, इसके लिए भाजपा ने बसपा के वर्तमान सांसद रितेश पांडेय का पाले में कर बड़ा दांव चल दिया है। वहीं, लखनऊ मंडल में भाजपा की सबसे बड़ी कमजोरी रायबरेली है।

सोना 1130 रुपये उछलकर 67450 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,130 रुपये बढ़कर 67,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। ये कीमतें मजबूत वैश्विक रुझानों के बाद बढ़ी हैं। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 66,320 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बढ़ती मांग के कारण चांदी में भी उछाल आया। 1,100 रुपये की बढ़ोतरी के साथ इसकी कीमत 77,750 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 76,650 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने बताया, दिल्ली के बाजारों में हाजिर सोने (24 कैरेट) की कीमतें पिछले कारोबारी सत्र से 1,130 रुपये बढ़कर 67,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉमेक्स पर सोने का हाजिर भाव 48 डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 2,202 डॉलर प्रति औंस हो गया। चांदी भी 25.51 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। पिछले कारोबारी सत्र में यह 24.84 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई थी।